उत्तर प्रदेश

ई-संदेश

10 अक्टूबर, 2018 वर्ष 1, अंक 38

सात दिन – सात पृष्ठ

मा0 राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द, मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन चतुर्थ भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (इंडिया इंटरनेशनल साइन्स फेस्टिवल लखनऊ 2018) का शुभारंभ करते हुये

• लखनऊ में चतुर्थ भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव • सीवेज ट्रीटमेंट में नवीनतम तकनीक आज की आवश्यकता • बस्ती में 1015 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास • टाटा टेक्नोलॉजीज उत्तर प्रदेश में कौशल, आविष्कार तथा नवाचार केन्द्र स्थापित करेगा • बढ़नी से शोहरतगढ़ तक एन0एच0-730 का होगा चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण • गंगा और यमुना जी के किनारे बड़े तालाब बनेंगे

संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश

लखनऊ में चतुर्थ भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव

विज्ञान भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंगः राष्ट्रपति

राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द जी ने 06 अक्टूबर, 2018 को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में चतुर्थ भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के शुभारम्भ अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधित किया। राष्ट्रपति जी ने विज्ञान को भारतीय संस्कृति का हिस्सा बताते हुए कहा कि शताब्दियों पहले हमारे पूर्वजों ने गणित के रहस्यों को सुलझाया और शून्य की अवधारणा को प्रतिपादित किया। विज्ञान के सिद्धान्तों को चिकित्सा और धातु विज्ञान के क्षेत्र में भी क्रियान्वित किया। भारत में निरन्तर वैज्ञानिक प्रगति हुई है। हरित क्रान्ति से लेकर अंतरिक्ष के कार्यक्रमों तथा बायो टेक्नोलॉजी और फार्मास्यूटिकल उद्योगों के क्षेत्र में आधुनिकीकरण हुआ है। आज 21वीं शताब्दी में रोबोटिक्स, सूक्ष्म निर्माण, बायो इन्फॉर्मेटिक्स, जीन एडिटिंग और आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स के क्षेत्र में क्रान्तिकारी परिवर्तन हुआ है। लेकिन यह परिवर्तन तभी प्रभावी होगा, जब विज्ञान को जनान्दोलन बनाते हुए इसके नवाचार और सुधारात्मक दृष्टि को विश्वविद्यालयों, विद्यालयों और हमारे वैज्ञानिक संस्थानों की प्रयोगशालाओं से निकालकर दैनिक जीवन के उपयोग में लाया जाएगा।

> "भारत में निरन्तर वैज्ञानिक प्रगति हुई है। हरित क्रान्ति से लेकर अंतरिक्ष के कार्यक्रमों तथा बायो टेक्नोलॉजी और फार्मास्यूटिकल उद्योगों के क्षेत्र में आधुनिकीकरण हुआ है।"
>
> -राम नाथ कोविन्द
> राष्ट्रपति

> "भारत की पहचान का आधार ज्ञान और विज्ञान का ही क्षेत्र रहा है। परम्परागत ज्ञान के साथ-साथ भारत ने विज्ञान की ऊंचाइयां प्राप्त की हैं।"
>
> -योगी आदित्यनाथ
> मुख्यमंत्री

इस अवसर पर राज्यपाल श्री राम नाईक जी ने विश्वास व्यक्त किया कि इस विज्ञान महोत्सव से विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से लोग परिचित होंगे और वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा मिलेगा।

समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की पहचान का आधार ज्ञान और विज्ञान का ही क्षेत्र रहा है। परम्परागत ज्ञान के साथ-साथ भारत ने विज्ञान की ऊंचाइयां प्राप्त की हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ऋग्वेद पूरे विश्व में मानव मनीषा का प्राचीनतम ग्रन्थ रहा है। महान विद्वानों ने भारत की प्राचीन ज्ञान परम्परा को समृद्ध किया था। नालन्दा, तक्षशिला, विक्रमशिला जैसे शिक्षा केन्द्रों की ख्याति दूर-दूर तक रही है। उन्होंने कहा कि विज्ञान का वास्तविक उद्देश्य मानव प्रगति और कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हुए आम जनमानस की जिंदगी में बेहतर बदलाव लाना है। इसके लिए विज्ञान के क्षेत्र में शोध और अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि परम्परागत ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय और संगम से हम सभी मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि यह विज्ञान महोत्सव पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की याद को समर्पित है, जिन्होंने 'जय जवान-जय किसान' के साथ 'जय विज्ञान' को भी जोड़ा था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने युवा प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए स्टार्टअप इण्डिया और स्टैण्डअप इण्डिया जैसी योजनाएं लागू की हैं, जिनके माध्यम से विचारों, नवाचारों को उद्यमिता के साथ जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने विज्ञान के क्षेत्र में अंतराष्ट्रीय स्तर की प्रगति हासिल की है। नैनो टेक्नोलाजी, बायोटेक्नोलाजी, वैक्सीन निर्माण के क्षेत्र में हम आज संसार में तीसरे स्थान पर हैं। ■

सीवेज ट्रीटमेंट में नवीनतम तकनीक आज की आवश्यकता: मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और केन्द्रीय जल संसाधन, नदी विकास तथा गंगा संरक्षण मंत्री श्री नितिन गडकरी जी ने गोमती नदी के तट पर नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत कुकरैल नाले पर राज्य सरकार के पायलेट प्रोजेक्ट 03 एम0एल0डी0 क्षमता के जियो ट्यूब तकनीक पर आधारित सीवेज शोधन संयन्त्र का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की महत्वाकांक्षी योजना 'नमामि गंगे' कार्यक्रम के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि गंगा जी की अविरलता को बनाए रखे। उन्होंने कहा कि गंगा जी में गिरने वाले सभी नालों इत्यादि का 15 दिसम्बर, 2018 से पूर्व समाधान किया जाए। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि इस

गंगा व यमुना में लगभग 40 स्थानों पर गिरने वाले नालों के दूषित जल के शोधन के लिए जियो ट्यूब को लगाया जाएगा।

तिथि के उपरान्त गंगा जी में किसी भी प्रकार की गन्दगी नहीं गिरेगी। उन्होंने कहा कि नाले के पानी को शोधित करने के लिए कई तकनीक हैं। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले दूषित जल के शोधन के लिए जहां एस0टी0पी0 लगाकर पानी को शोधित किया जा रहा है, वहीं एक नयी तकनीक जियो ट्यूब द्वारा रेमिडिएशन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गंगा व यमुना में लगभग 40 स्थानों पर गिरने वाले नालों के दूषित जल के शोधन के लिए जियो ट्यूब को लगाया जाएगा।

जल संसाधन, नदी विकास तथा गंगा संरक्षण

"प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की महत्वाकांक्षी योजना 'नमामि गंगे' कार्यक्रम के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि गंगा जी की अविरलता को बनाए रखे।"

-योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री

मंत्री श्री नितिन गडकरी जी ने कहा कि जो संस्था पी0पी0पी0 मॉडल पर कार्य करेगी, वही संस्था 15 वर्षों तक उसकी देखरेख भी करेगी। 'एक शहर-एक ऑपरेटर' इसी का हिस्सा है। जियो ट्यूब से सीवेज ट्रीटमेंट आज की आवश्यकता है। पानी को शुद्ध करके जहां नदियों को स्वच्छ बनाने में सहायता मिलेगी, वहीं जलीय जीवों को स्वस्थ वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। जियो ट्यूब से शोधित पानी का उपयोग रेलवे स्टेशन और कंस्ट्रक्शन जैसे कार्यों में किया जा सकेगा, जिससे सरकार की आर्थिक बचत भी होगी।

श्री गडकरी जी ने कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को अपनाकर जहां हम रोजगार सृजन कर सकते हैं, वहीं दूसरी तरफ राष्ट्र निर्माण में सहभागी भी बन सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि प्लास्टिक व रबड़ के उपयोग से अच्छी सड़क बनायी जा सकती है। ■

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने भेंट की।

बस्ती में 1015 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गड़करी जी द्वारा जनपद बस्ती में 1015 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। इसमें 55 किमी0 लम्बे ऐतिहासिक महत्व वाले 'रामजानकी मार्ग (एन0एच0 227-ए) के अयोध्या छावनी से लेकर रामपुर तक के हिस्से का 315 करोड़ रुपए की लागत से चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य, 250 करोड़ रुपए की लागत से रामपुर से सिकरीगंज तक के 35 किमी0 मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण तथा 450 करोड़ रुपए की लागत से 14 किमी0 लम्बे बस्ती रिंग रोड (फेज-1) के निर्माण कार्य का शिलान्यास शामिल हैं। इस अवसर पर घाघरा नदी पर फैजाबाद से मंझी घाट तक 354 कि0मी0 लम्बे राष्ट्रीय जल मार्ग-40 के विकास कार्य का भी शिलान्यास किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि रामजानकी मार्ग ऐतिहासिक ही नहीं, एक पौराणिक मार्ग भी है। इसके निर्माण के बाद मात्र साढ़े तीन घण्टे में अयोध्या से जनकपुर पहुंचा जा सकेगा। राज्य सरकार प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने कहा कि आज जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है, उससे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास हेतु प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार द्वारा 1.20 लाख किमी0 सड़कों को गड्ढामुक्त करने के साथ ही सभी तहसील मुख्यालयों को 02 लेन सड़कों से जोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थानों का भी विकास करना है। इसी कड़ी में तपसीधाम, मखौड़ाधाम का भी विकास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अगले सत्र में मुण्डेरवा चीनी मिल की शुरुआत भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि अब तक लगभग 37 हजार करोड़ रुपए गन्ना मूल्य का भुगतान किया जा चुका है तथा शेष गन्ना मूल्य का भुगतान 30 नवम्बर, 2018 तक करने के निर्देश दिये गये हैं।

केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी जी ने कहा कि वे विगत वर्ष जनपद बस्ती आये थे और उन्होंने रामजानकी मार्ग के शिलान्यास के लिए आश्वासन दिया था। भगवान श्री राम हमारे आदर्श हैं तथा उनसे जुड़े हुए मार्ग का शिलान्यास करने पर वे गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। भगवान श्री राम के साथ-साथ भगवान महावीर एवं भगवान गौतम बुद्ध से सम्बन्धित स्थलों पर भी कार्य किए जाने हैं। उत्तर प्रदेश में सड़कों के निर्माण से राष्ट्र निर्माण को भी गति मिल रही है। वर्ष 2014 में जहां 7,611 किमी0 राष्ट्रीय राजमार्ग थे, अब 14,800 किमी0 राष्ट्रीय मार्ग हैं। सरकार का उद्देश्य सड़कों के माध्यम से देश की तस्वीर को बदलना है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि गंगा निर्मल योजना के तहत 225 करोड़ रुपए की लागत से कार्य शुरू हो चुका है। ■

सांसद आदर्श ग्राम योजना के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश में नंबर वन

देश में स्थानीय स्तर पर भागीदारीपूर्ण विकास को दृष्टिगत रखते हुए सांसद आदर्श ग्राम योजना संचालित की गई है। इस योजना के प्रथम चरण अक्टूबर, 2014 से 2016 के दौरान ग्राम पंचायतों का चयन हो चुका है। प्रथम चरण में 104 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया। इस चरण में प्रदेश में कुल चयनित परियोजनाओं की संख्या 2584 है, जिसके विपरीत 2522 परियोजनाएं पूर्ण करते हुए पूरे देश में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है।

प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास श्री अनुराग श्रीवास्तव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सांसद आदर्श ग्राम योजना के द्वितीय व तृतीय चरण नवंबर, 2016 से मार्च 2019 तक है। द्वितीय चरण में 111 ग्राम पंचायतों का चयन किया जाना था, जिसके सापेक्ष 97 ग्राम पंचायतों का चयन पूर्ण हो चुका है।

योजना के द्वितीय चरण में अब तक कुल चयनित परियोजनाओं की संख्या 2298 है, जिसके सापेक्ष 1926 परियोजनाएं पूर्ण करते हुए उत्तर प्रदेश पूरे देश में दूसरे स्थान पर है। योजना के तृतीय चरण में भी 111 ग्राम पंचायतों का चयन किया जाना था, जिसके सापेक्ष 65 ग्राम पंचायतों का चयन किया जा चुका है। योजना के तृतीय चरण में अब तक चयनित ग्राम पंचायतों में परियोजनाओं की संख्या 1197 है, जिसके सापेक्ष 662 योजनाएं पूर्ण करते हुए उत्तर प्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। ■

टाटा टेक्नोलॉजीज उत्तर प्रदेश में कौशल, आविष्कार तथा नवाचार केन्द्र स्थापित करेगा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में शास्त्री भवन (एनेक्सी) में टाटा टेक्नोलॉजीज के अधिकारियों के साथ सम्पन्न एक बैठक में प्रदेश में कौशल, आविष्कार तथा नवाचार केन्द्र (Centre for Skills, Invention & Innovations) स्थापित करने पर सहमति बनी है।

इन केन्द्रों में प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों को उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक तकनीकी में प्रशिक्षित कर रोजगार हेतु सक्षम बनाया जाएगा। साथ ही, प्रशिक्षित विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेण्ट की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। टाटा टेक्नोलॉजीज द्वारा प्रथम चरण में 05 केन्द्रों की स्थापना की जाएगी। पॉलीटेक्निक और आई0टी0आई0 संस्थानों के छात्र-छात्राओं के कौशल विकास हेतु भी यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के युवाओं को रोजगार सक्षम बनाने के लिए हर सम्भव कदम उठा रही है। प्रदेश में कौशल, आविष्कार तथा नवाचार के केन्द्रों की स्थापना से युवाओं के कौशल विकास के साथ ही, एम0एस0एम0ई0 सेक्टर को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों तथा बुन्देलखण्ड में इन केन्द्रों की स्थापना की जाए।

बैठक में टाटा टेक्नोलॉजीज के अधिकारियों ने बताया कि एक केन्द्र की स्थापना पर लगभग 215 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसका 88 प्रतिशत टाटा टेक्नोलॉजीज द्वारा वहन किया जाएगा तथा शेष के लिए राज्य सरकार द्वारा योगदान किया जाएगा। ■

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्वच्छ सर्वेक्षण (ग्रामीण) 2018 के तहत उत्तर प्रदेश को मिले श्रेष्ठ जन सहभागीदारी एवं फीडबैक पुरस्कार को पंचायतीराज राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भूपेंद्र सिंह चौधरी एवं अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज श्री आर.के. तिवारी ने भेंट किया।

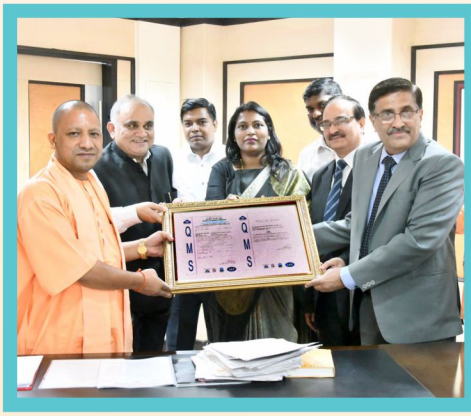

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत जनपद इटावा को ISO:9001:2015 प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाने पर जिलाधिकारी श्रीमती सेल्वा कुमारी जे0 को बधाई दी है। इटावा की जिलाधिकारी ने आज यहां शास्त्री भवन में मुख्यमंत्री जी से भेंट कर उन्हें प्रमाण-पत्र सौंपा। इटावा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत यह प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाला देश का पहला जनपद है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत को स्वस्थ राष्ट्र बनाने में स्वच्छता का महत्वपूर्ण योगदान है। स्वच्छता हासिल करने में स्वच्छ भारत मिशन अत्यन्त प्रभावी है। प्रदेश के अन्य जनपदों को इटावा के मॉडल को अपनाना चाहिए, ताकि वे भी स्वच्छता के लक्ष्य को हासिल कर सकें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा वर्ष 2014 में लागू किए गए स्वच्छ भारत मिशन के अच्छे परिणाम परिलक्षित होने लगे हैं। स्वच्छता मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त आवश्यक है। वातावरण स्वच्छ होने से संक्रामक रोगों के फैलाव पर लगाम लगती है। यही कारण है कि इस वर्ष पूर्वांचल क्षेत्र में इंसेफेलाइटिस पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सका है। ■

बढ़नी से शोहरतगढ़ तक एन0एच0-730 का होगा चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, जहाजरानी, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्री श्री नितिन गडकरी ने जनपद सिद्धार्थनगर में एन0एच0-730 के बढ़नी से शोहरतगढ़ तक के 35 कि0मी0 लम्बे मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया। इस परियोजना की कुल लागत 209 करोड़ रुपए है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि केन्द्रीय परिवहन मंत्री ने बौद्ध परिपथ से जुड़े इस मार्ग का शिलान्यास कर एक महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग पर्यटन के दृष्टिकोण से बहुत ही महत्वपूर्ण है। कुशीनगर से होकर गोरखपुर, आनन्द नगर, सिद्धार्थनगर, शोहरतगढ़, बढ़नी, बलरामपुर होते हुए श्रावस्ती तक यह सड़क बौद्ध परिपथ के नाम से जानी जाती है। यह सड़क नेपाल को बढ़नी से जोड़ने का कार्य करती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस सड़क को 4-लेन करने के लिए सरकार द्वारा केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। जनपद सिद्धार्थनगर अन्य जनपदों की तुलना में विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में पीछे है। इस जनपद को केन्द्रीय नीति आयोग द्वारा आकांक्षात्मक जनपदों की सूची में सम्मिलित कर विकास की गति बढ़ाने के लिए कार्य किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा जनपद सिद्धार्थनगर में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जा रही है। इसके बन जाने के बाद जनपदवासियों को इलाज के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। शीघ्र ही, प्रदेश सरकार बलरामपुर जनपद में भी मेडिकल कॉलेज स्थापित करने जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार के डेढ़ वर्ष के कार्यकाल के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में 11 लाख तथा शहरी क्षेत्रों में 06 लाख आवासों का निर्माण कराया गया है। जनपद सिद्धार्थनगर में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों का लाभ बिना किसी भेदभाव के मुहैया कराया जा रहा है। गरीब परिवारों के लिए आयुष्मान भारत योजना लागू है जिससे प्रदेश के 06 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे। जनपद सिद्धार्थनगर के लिए प्रदेश सरकार 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' के अन्तर्गत 'काला नमक' चावल को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने के लिए कार्य कर रही है। इससे बड़ी संख्या में जनपद सिद्धार्थनगर के किसान लाभान्वित होंगे।

केन्द्रीय सड़क परिवहन, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्री श्री नितिन गडकरी जी ने कहा कि शोहरतगढ़ से बढ़नी तक 209 करोड़ रुपए की लागत से सड़क का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, बौद्ध परिपथ से जोड़ने का कार्य केन्द्र सरकार द्वारा बहुत तेजी से किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश को समृद्ध बनाने के लिए सड़कों का निर्माण सबसे बड़ी प्राथमिकता है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि गंगा नदी में जलमार्ग विकसित किया जा रहा है। ■

बलरामपुर भ्रमण

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बलरामपुर में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने बलरामपुर में जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया तथा अस्पताल में भर्ती मरीजों से उनका हालचाल जाना।

गंगा और यमुना जी के किनारे बड़े तालाब बनेंगे

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि राज्य सरकार बुन्देलखण्ड की पेयजल समस्या का समाधान करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम कर रही है। भविष्य में पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अभी से आवश्यक कदम उठाने होंगे।

गंगा जी और यमुना जी का उल्लेख करते हुए कहा कि इनकी अविरलता बनाए रखने तथा इनमें प्रचुर मात्रा में जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए इन पर जल आपूर्ति हेतु निर्भरता कम करनी होगी। राज्य सरकार द्वारा इस दिशा में भी आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। इसके लिए इनके तटों पर निश्चित अन्तराल पर जल संचयन के लिए विशाल तालाबों का निर्माण किया जाएगा। साथ ही, भूगर्भ जल रिचार्जिंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने यह विचार 7 अक्टूबर, 2018 को अपने कालिदास मार्ग स्थित आवास पर बुन्देलखण्ड में पेयजल योजनाओं के सम्बन्ध में प्रस्तुतिकरण देखते हुए व्यक्त किए। मा. मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बुन्देलखण्ड सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों में जल की समस्या से निपटने के लिए राज्य सरकार द्वारा 06 विलुप्तप्राय नदियों को पुनर्जीवित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके सुखद परिणाम परिलक्षित होने लगे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पिछले वर्ष से ही बुन्देलखण्ड सहित प्रदेश के अन्य जनपदों में जलसंचयन की दिशा में सार्थक प्रयास शुरू कर दिए गए थे,

जिसके चलते इस वर्ष अधिकतर क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री जी ने महाराष्ट्र राज्य में जल समस्या के समाधान के लिए सरकार, राजनैतिक संगठनों, स्वयंसेवी संगठनों तथा जनसहभागिता से चलाए जा रहे 'सुजलाम् सुफलाम्' अभियान पर प्रस्तुतिकरण भी देखा। महाराष्ट्र में यह अभियान सूखा प्रभावित जनपदों में जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है। इस अभियान को सूखा प्रभावित जनपद में जिला प्रशासन की मदद से लागू किया जाता है। इसके तहत सम्बन्धित जनपद में सबसे पहले विभिन्न वाटरशेड ढांचों जैसे डैम, तालाब, एम.आई. टैंक, परकोलेशन पॉण्ड तथा फार्म पॉण्ड को चिन्हित किया जाता है। तत्पश्चात इनके लिए आवश्यक प्रशासनिक और तकनीकी मंजूरियां प्रदान की जाती हैं। इसके बाद मशीनों द्वारा खुदाई का कार्य किया जाता है। बांधों तथा जल इकाइयों से सिल्ट की सफाई की जाती है। नालों को आवश्यकतानुसार चौड़ा और गहरा किया जाता है। मशीनों की उपलब्धता सी0एस0आर0 के माध्यम से की जाती है। ■

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के पिता के निधन पर मुख्यमंत्री जी ने श्रद्धांजलि दी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के पैतृक निवास सिराथू पहुंचकर उनके दिवंगत पिता के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मा. मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य एवं उनके परिजनों को दुःख की इस घड़ी में ढांढ़स बंधाया तथा दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।

इस अवसर पर मंत्रिमण्डल के सदस्य श्री सिद्धार्थनाथ सिंह, श्री बृजेश पाठक, श्री जयकुमार कुमार जैकी, श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नी सिंह, श्री उपेन्द्र तिवारी, श्री दारा सिंह चौहान, श्री सुरेश पासी, श्री रमापति शास्त्री, केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। ■

10 अक्टूबर 2018 को सम्पन्न प्रदेश कैबिनेट की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

मां ललिता देवी शक्तिपीठ अमावस्या मेला, नैमिषारण्य सीतापुर, मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ, देवीपाटन तुलसी मेला बलरामपुर, मां विंध्यवासिनी शक्तिपीठ मेला, मीरजापुर के प्रांतीयकरण के प्रस्ताव को मंजूरी।

उत्तर प्रदेश के शहरी निकायों में दोहरी लेखा प्रणाली लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी।

स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग का वर्ष 2016-17 का वार्षिक प्रतिवेदन सदन के पटल पर रखे जाने का निर्णय।

द उत्तर रियल स्टेट (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) (एग्रीमेंट फॉर सेल रूल्स) 2018 के प्रस्ताव का अनुमोदन।

उत्तर प्रदेश युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल/प्रादेशिक विकास दल अधिकारी सेवा (द्वितीय संशोधन) नियमावली, 2018 के प्रख्यापन के प्रस्ताव मंजूर।

कुम्भ मेला-2019 के लिए इलाहाबाद में पांटून सेतुओं, चेकर्ड प्लेट मार्गों व पाइल पुलियों आदि के निर्माण के संबंध में 26471.92 लाख रुपए की पुनरीक्षित लागत को स्वीकृति।

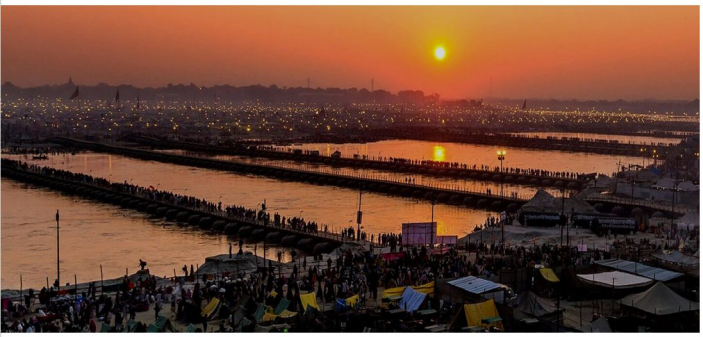

कुम्भ मेला-2019 योजनांतर्गत मेला क्षेत्र के निकट के चार स्थानों पर श्रद्धालुओं/साधु संतों के ठहरने के लिए आवश्यक मूलभूत जन सुविधाओं के निर्माण को मंजूरी।

शीरा सत्र 2018-19 के लिए नीति का निर्धारण।

उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2018 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी।

खादी उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयंती के मौके पर खादी वस्त्रों की फुटकर बिक्री पर 05 प्रतिशत की विशेष छूट दिए जाने के निर्णय को मंजूरी।

उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 में संशोधन के लिए उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, 2018 का आलेख अनुमोदित।

'अटल नवीकरण और शहरी रूपांतरण मिशन' के अंतर्गत नगर निगम, झांसी महानगर पुनर्गठन पेयजल योजना (फेज-2) के प्रस्ताव को दी मंजूरी।

नगर निगम लखनऊ में प्लास्टिक वेस्ट से फ्यूल बनाए जाने के लिए पीपीपी मोड पर प्लांट की स्थापना को लेकर आरएफपी डॉक्यूमेंट व ड्राफ्ट कंसेशन अनुबंध को किया अनुमोदित।

केंद्र पोषित योजनाओं में विभिन्न फसलों के प्रमाणित बीजों पर अनुदान में वृद्धि के फलस्वरूप रबी 2018-19 में राज्य सरकार द्वारा देय विशेष अनुदान की नई व्यवस्था के प्रस्ताव को स्वीकृति।

लखीमपुर-खीरी में अतिरिक्त कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना के लिए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान को पट्टे पर निःशुल्क भूमि उपलब्ध/हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को अनुमति।

रायबरेली ट्रेन दुर्घटना में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को आर्थिक सहायता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद रायबरेली में हुई ट्रेन दुर्घटना में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को 02-02 लाख रुपए तथा घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने अधिकारियों को बचाव एवं राहत कार्य युद्ध स्तर पर संचालित करने तथा इस हादसे में घायल हुए लोगों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए, निदेशक डॉ. उज्ज्वल कुमार द्वारा प्रकाशित. सम्पादक : दिनेश कुमार गर्ग